अब संसार में योग क्रांति अति आवश्यक :– डॉ जुयाल
अंर्तराष्ट्रीय योगा दिवस का समापन

आज नानाजी देशमुख पशुचिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय जबलपुर में अंर्तराष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में प्रातः 6.30 बजे से महाविद्यालय खेल मैदान में एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर समापन समारोह में अपने विचार व्यक्त करते हुये वि.वि. के माननीय कुलपति डॉ. प्रयाग दत्त जुयाल ने कहा कि अपने भौतिक सुखों एवं अन्य आवश्यकताओं की प्राप्ति हेतु समस्त मानव तनावग्रस्त हैं। जिससे अनेक बीमारियाँ मनुष्यों को घेर रही है। इनमें उच्च रक्त चाप प्रमुख हैं समाज में निराशा व्याप्त है। इसके निराकरण हेतु योग अतिआवश्यक है। सारा विश्व योग की तरफ बढ़ रहा है। राजयोग के अतिरिक्त कर्मयोग की भी आवश्यकता है जिससे सभी का भला हो।

इस अवसर पर कार्यक्रम की मुख्य वक्ता प्रजापिता ब्रम्हकुमारी आश्रम से पधारी हुई बहिन विनीता ने कहा कि योग करने से आत्मा पवित्र होती है एवं आत्मा का सीधा संबंध परामात्मा से स्थापित होता है एवं हमें सुख शांति प्राप्त होती है।

कार्यक्रम की शुरूआत में योग से संबंधित क्रियाओं का वाचन योगाचार्यों द्वारा कराया गया विद्यार्थियों के बीच योग संबंधित प्रतियोगिता का आयाजन किया गया। योग संबंधित निबंध प्रतियोगिता, भाषण प्रतियोगिता एवं संवाद प्रतियोगिता का आयोजन भी कराया गया ।

कार्यक्रम के अंत में आभार प्रदर्शन करते हुये महाविद्यालय अधिष्ठाता डॉ. आर. पी. एस. बघेल ने सफल कार्यक्रम हेतु सभी को बधाई दी। उन्होंने भी योग की महत्ता के बारे में विस्तृत चर्चा की एवं भविष्य में इस तरह के आयोजनों को नियमित रूप से संचालित करने की आवश्यकता बताई।

कायक्रम में डॉ. आर.के. शर्मा, डॉ. ओ.पी. श्रीवास्तव, डॉ. राखी वश्य, डॉ. आर.व्ही. सिंह, डॉ. अपरा शाही, डॉ. अमिता तिवारी, डॉ. शोभा जावरे सहित समस्त प्राध्यापकों एवं छात्रों की उपस्थिति उल्लेखनीय रही। कार्यक्रम का सफल संचालन डॉ. आदित्य मिश्रा द्वारा किया गया।

सूचना एवं जनसंपर्क अधिकारी
ना.दे.प.चि.वि.वि., जबलपुर